कट्टरपंथियों पर भड़का पाकिस्तान का सुप्रीम कोर्ट

संज्ञान

हिंदू मंदिर पर हमले के आरोपी फौरन हों गिरफ्तार

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक बार फिर हिंदू मंदिर पर कट्टरपंथियों की अगुवाई में हजारों लोगों ने हमला कर दिया। रहीम यार खान जिले के इस भव्य गणेश मंदिर में घुसकर उन्मादी कट्टरपंथियों ने सभी मूर्तियों को तोड़ डाला। मंदिर के बड़े हिस्से में आग लगा दी। यही नहीं हालात बेकाबू होने के बाद सेना तैनात कर दी गई है। पाक सुप्रीम कोर्ट ने भी इस घटना पर संज्ञान लिया है और पंजाब प्रांत के अधिकारियों को तलब किया है। यही नहीं भारत के विदेश मंत्रालय ने भी इस हमले पर कड़ी प्रतिक्रिया जताई है।

कट्टरपंथियों की भीड़ ने बोला हमला रिपोर्ट में कहा है कि अल्पसंख्यक हिंदुओं के मंदिर पर यह हिंसक घटना लाहौर से 590 किमी दूर हुई। यहां के रहीमयार खान जिले के भोंग में हिंदुओं का बड़ा और भव्य मंदिर है। इस मंदिर को गणेश मंदिर के नाम से जाना जाता है। मंदिर पर अचानक कट्टरपंथियों ने हजारों लोगों की भीड़ के साथ हमला बोल दिया। यहां मूर्तियों को पूरी तरह तोड़ दिया गया। मंदिर की सजावट में लगे झूमर, कांच के सामान को नष्ट कर दिया गया।

हिंसा में पुलिस भी शामिलः यही नहीं भीड़ ने मंदिर परिसर को आग के हवाले कर दिया। रिपोर्ट में कहा गया है कि इलाके में रहने वाले हिंदुओं के सौ परिवारों का जीवन खतरे में है। हमलावरों ने इन हिंदुओं को भी निशाना बनाने की कोशिश की। भोंग में हिंदू मंदिर पर घंटों तक चली तोड़फोड़ और आगजनी के दौरान पूरी अराजकता रही। योजनाबद्ध तरीके से की गई हिंसा में पुलिस शामिल रही। वहां एक पुलिसकर्मी भी नहीं पहुंचा।

सुप्रीम कोर्ट ने अफसरों को किया तलबः पाकिस्तान की सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस गुलजार अहमद ने सत्तारुढ़ इमरान की पार्टी तहरीक–ए–इंसाफ के सांसद रमेश कुमार वंकवानी की शिकायत पर संज्ञान लिया है। सुको ने पंजाब के मुख्य सचिव और पंजाब पुलिस प्रमुख को तलब किया है। पाकिस्तान के पीएम इमरान खान के विशेष सहायक डा. शहबाज गिल ने स्थानीय प्रशासन को कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

सांसद ने कार्रवाई की मांग कीः वंकवानी ने मंदिर पर हमले के वीडियो ट्वीटर पर साझा किए हैं। इन वीडियो में कट्टरपंथी मुस्लिम भगवान की मूर्तियों को निशाना बनाकर तोड़ रहे हैं। मंदिर परिसर में आग भी लगी दिखाई दे रही है। सांसद वंकवानी ने अपने ट्वीट में कहा है कि भोंग में हालात बेहद खराब हैं। पुलिस की लापरवाही शर्मनाक है।

भारत ने कड़ी नाराजगी जताईः भारत सरकार ने मंदिर पर हमले की घटना पर कड़ी नाराजगी जताई है। भारत सरकार ने गुरुवार को पाकिस्तान के शीर्ष राजनयिक के सामने कड़ा विरोध दर्ज कराया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने बताया कि भारत ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदायों की धार्मिक स्वतंत्रता पर निरंतर हमलों को लेकर अपनी चिंताओं से पाकिस्तान को अवगत कराया है।

न्यूज डायरी

ईरान का राष्ट्रपति बनते ही इब्राहिम रायसी ने अमेरिका को सुनाई दो टूक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेहरान। इब्राहिम रायसी ने ईरान के आठवें राष्ट्रपति के तौर पर शपथ ले ली है। गुरुवार को तेहरान में देश की संसद में शपथ ग्रहण समारोह में रायसी ने कुरान पर हाथ रखते हुए शपथ ग्रहण की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह ईरान को मजबूत बनाएंगे और दुनिया के साथ जुड़ेंगे। 60 साल के रायसी, जो 82 साल के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की जगह लेने के लिए उम्मीदवारों की रेस में सबसे आगे हैं, ने कहा कि ईरानी चाहते हैं कि वह देश की स्वतंत्रता बनाए रखें और विदेशी धमकियों का विरोध करें। उन्होंने श्कूटनीति और दुनिया के साथ रचनात्मक और व्यापक जुड़ाव को आगे बढ़ाने का वादा किया। अपने रुख को दोहराते हुए कहा कि क्षेत्रीय पड़ोसियों के साथ संबंधों को बढ़ावा देना उनकी विदेश नीति में सबसे ऊपर होगा। रायसी ने कहा कि मैं सभी देशों, खासकर क्षेत्र के लोगों के लिए दोस्ती और भाईचारे का हाथ बढ़ाता हूं।

गैर मुस्लिमों के लिए पाकिस्तान बना मौत की जगह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) लंदन। पाकिस्तान की मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट पार्टी के संस्थापक अल्ताफ हुसैन ने पंजाब प्रांत के रहीम यार खान जिले में स्थित हिंदुओं के मंदिर पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। ट्विटर पर जारी एक बयान में उन्होंने कहा है कि कुछ दिन पहले अहमदिया समुदाय के धार्मिक स्थल पर भी इसी तरह से हमला कर उसे अपवित्र किया गया था। ये हमला फैसलाबाद में हुआ था और इसके पीछे पाकिस्तान की कट्टरपंथी जमात का हाथ था। आपको बता दें कि अल्ताफ हुसैन पिछले कई वर्षों से लंदन में निर्वासित जीवन बिता रहे हैं। अपने बयान में उन्होंने कहा कि चरमपंथियों ने भोग गांव में बने हिंदुओं के गणेश मंदिर पर हमला किया। इन लोगों ने वहां रखी देवी दवताओं की मूर्तियों को जलाया। उन्होंने कहा कि इस तरक की घटना को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

किम जोंग कर रहे दक्षिण कोरिया के साथ गुरिल्ला युद्ध की तैयारी?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) प्योंगयांग। कुछ वक्त पहले एक रिपोर्ट आई थी जिसमें दावा किया गया था कि उत्तर कोरिया की सत्ताधारी पार्टी ने दक्षिण कोरिया में आंदोलन को समर्थन करने का फैसला वापस ले लिया है। कोरियन वर्कर्स पार्टी ने इस बारे में किए गए फैसले से जुड़ी बातें अपनी आधिकारिक रूलबुक से हटा दी हैं। इस कदम से दक्षिण कोरिया में उत्तर कोरिया के साथ शांतिपूर्ण संबंधों की वकालत को जोर मिला है। वहीं, एशिया टाइम्स के मुताबिक किम जोंग उन कभी भी पैंतरा बदल सकते हैं और दक्षिण कोरिया को सावधान रहने की जरूरत है। एशिया टाइम्स की रिपोर्ट में सिओल के DailyNK के हवाले से दावा किया गया है कि किम जोंग की सेना ने 'गुरिल्ला युद्ध' के लिए निर्देश जारी किया है। इसमें दक्षिण कोरिया के मुख्य इलाकों के 3डी सैन्य नक्शों की सप्लाई भी शामिल है।

ओक क्रीक गुरुद्वारा गोलीबारी के पीड़ितों को बाइडन ने किया याद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। विस्कानसिन स्थित गुरुद्वारे पर नौ साल पहले एक नस्ली श्वेत ने जमकर गोलीबारी कर सिखों की हत्या की थी। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने माना कि वैश्विक महामारी के दौर में एशियाई–अमेरिकियों के खिलाफ नफरत से भरे अपराधों में बढ़ोतरी हुई है। विगत पांच अगस्त, 2012 को एक बंदूकधारी श्वेत ने नस्ली हिंसा को अंजाम देते हुए सात लोगों की हत्या कर दी थी। बाइडन ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में रिपोर्टर को बताया कि आज के दिन वह इस त्रासदी से प्रभावित सभी लोगों का सम्मान करते हैं। उन्होंने एशियाई–अमेरिकी लोगों से मुलाकात करने के बाद सिविल अधिकारों के कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद कहा कि कोविड–19 के दौरान नफरत के कारण किए जाने वाले अपराधों में बढ़ोतरी हुई है। व्हाइट हाउस में हुई बाइडन की इस बैठक में कई भारतीय अमेरिकियों को भी आमंत्रित किया गया था।

एक बार फिर तालिबान के निशाने पर अफगान सिख

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) काबुल। अफगानिस्तान में पैर पसारता जा रहा तालिबान भले ही अपनी कट्टरपंथी नीतियों में ढील का दावा करता हो, उसकी हरकतें कुछ और ही कहानी बयान करती हैं। ताजा हमले में तालिबानी लड़ाकों ने पकतिया प्रांत में पवित्र गुरुद्वारा थाल साहिब की छत पर लगा धार्मिक झंडा, निशान साहिब हटा दिया है। तालिबान इस क्षेत्र में तबाही मचाते हुए आगे बढ़ रहा है लेकिन उसने निशान साहिब हटने के आरोप का खंडन किया है।

तालिबान ने हटाया झंडाः पकतिया के चमकनी में स्थित यह गुरुद्वारा सिख समुदाय में बेहद अहमियत रखता है। इस ऐतिहासिक गुरुद्वारे में श्री गुरु नानक देव भी आ चुके हैं। रिपोर्ट्स में बताया गया है कि इसकी छत पर लगे निशान साहिब को तालिबान ने हटा दिया है। हालांकि, संगठन ने इस आरोप का खंडन किया है। तालिबान पर इस्लामिक कट्टरपंथ की लाइन पर चलते हुए दूसरे धर्मों के अपमान के आरोप लगते रहे हैं लेकिन संगठन ने हाल में खुद के बदलने का दावा किया है।

अफगानिस्तान के युद्धग्रस्त इलाकों में दशकों से अल्पसंख्यक अफगान सिखों और हिंदुओं के ऊपर अत्याचार जारी है। अफगानिस्तान की सरकार का यहां कोई दखल नहीं था।

नासा के हबल टेलीस्कोप ने खोला गैलेक्सी के राज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का एक वीडियो सोशल मीडिया पर लोगों का काफी ध्यान खींच रहा है। नासा ने अपने इस वीडियो को इंस्टाग्राम और ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है। इसे अभी तक लाखों लोग देख चुके हैं। यह एक बेहद ही खास गैलेक्सी का वीडियो है। इस वीडियो को हबल टेलीस्कोप ने कैप्चर किया है। इसमें विभिन्न गैलेक्सी के बारे में ध्वनि और रोशनी के बारे में पता चल रहा है। आखिर क्या है इस टलीस्कोप की खूबियां। किस अमेरिकी अंतरिक्ष के नाम पर इसका नामकरण हुआ। नासा का यह 13 अरब साल पुराने गैलेक्सी डाटा का वीडियो है।

म्यूजियम से आने के बाद जेल के चक्कर काट रही एक महिला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्तांबुल। एक तुर्की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर का कहना है कि दुनियाभर में मशहूर एम्स्टर्डम ds SeÜ Museum के अंदर की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के लिए अब तुर्की में उनके खिलाफ मुकदमा चलाया जा रहा है। 23 साल की Merve Taskin ने पिछले साल जन्मदिन के मौके पर नीदरलैंड की यात्रा के दौरान म्यूजियम से खरीदे गए कुछ सेक्स टॉयस की फोटो शेयर की थीं। वह बताती हैं कि कुछ महीने बाद तुर्की में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया, जहां अश्लील कंटेंट शेयर करना अपराध माना जाता है।

मजाक में पोस्ट कीं तस्वीरेंः मर्व

सोशल मीडिया पर कर बैठी थी बड़ी गलती

तस्किन कहती हैं उन्हें अश्लीलता के आरोपों का सामना करने के लिए अदालत बुलाया जा रहा है। तुर्की के कानून के अनुसार कोई भी इंसान जो अश्लील सामग्री पब्लिश करता है, उस पर जुर्माना लगाया जा सकता है या तीन साल तक की जेल की सजा हो सकती है। तस्किन के इंस्टाग्राम पर करीब 600,000 फॉलोअर्स हैं। वह तुर्की में काफी मशहूर हैं। बीबीसी से बात करते हुए तस्किन ने कहा कि फोटो पोस्ट करने के पीछे उनका मकसद सिर्फ मजाक था।

अधिकारियों ने तस्वीरों पर की कार्वाईः लंदन में तुर्की दूतावास से बीबीसी ने बात करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। इस्तांबुल में रहने वाली तस्किन ने कहा कि वह अपना 22वां जन्मदिन मनाने के लिए दो दोस्तों के साथ एम्स्टर्डम गई थीं। इस दौरान वह म्यूजिम भी गईं, जहां उन्होंने कछ फोटो खीचीं और सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दीं। तुर्की के अधिकारियों ने तस्वीरों को गंभीरता से लेते हुए तस्किन के खिलाफ कार्रवाई की।

कोर्ट से मिला नोटिसः वह बताती हैं कि वापस आने के बाद उन्हें दो बार गिरफ्तार किया गया। जब उन्हें लग रहा था कि इस मामले का अंत हो चुका है तो साल के शुरुआत में इस्तांबुल कोर्ट से उन्हें एक नोटिस मिला।

डेल्टा वैरिएंट की लहर के साथ चीनी राष्ट्रपति का बड़ा ऐलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बीजिंग। दुनियाभर में डेल्टा वैरिएंट के मामलों में तेजी से प्रसार के बाद दुनियाभर में वैक्सीन की मांग बढ़ी है। दुनिया के सभी मुल्क जल्द से जल्द अपनी आबादी का वैक्सीनेशन करना चाहते हैं, लेकिन वैक्सीन की कमी के कारण मांग और आपूर्ति का मामला बिगड़ गया है। वैक्सीन की जितनी डिमांड है, उतनी सप्लाई नहीं हो पा रही है। ऐसे में अब चीन वैक्सीन बाजार में दबदबा बनाने की योजना बना रहा है। एक बार फिर चीन की वैक्सीन डिप्लोमेसी सुर्खियों में है। हालांकि, चीन में पिछले कुछ दिनों के अंदर कोरोना के मामलों में तेजी देखी गई है। सबसे खतरनाक डेल्टा वैरिएंट के केस सामने आ रहे हैं। ऐसे में चीन के समक्ष दोहरी चुनौती है कि वह अपने देश में वैक्सीन प्रोगाम में तेजी लाते हुए दुनिया को इसकी आपूर्ति कर सके। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दुनियाभर में वैक्सीन एक्सपोर्ट करने की नीति पर जोर दिया है। उन्होंने कहा है कि वे इस महीने के आखिर तक चीन दुनिया के अलग–अलग देशों तक दो अरब वैक्सीन पहुंचाने का लक्ष्य रखता है।